**绝密★启用前**

**邢台市开元中学初中部2019级语文第三次月考试题**

**命题人： 审题人: 联系电话：**

考试时间：120分钟 满分120分

注意事项：

1．答题前填写好自己的姓名、班级、考号等信息。

2．请将答案正确填写在答题卡上。

**第I卷（1-5题 12分）**

1．阅读下面的文字，完成小题。（4分）

他生就一副多毛的脸庞，植被多于空地，浓密的胡髭使人难以看清他的内心世界。长髯覆盖了两颊，遮住了嘴唇，遮住了皱似树皮的yǒu黑脸膛，一根根迎风飘动，颇有长者风度。宽约一指的眉毛像纠缠不清的树根，朝上倒竖。一绺绺灰白的鬈发像泡沫一样堆在额头上。不管从哪个角度看，你都能见到热带森林般茂蜜的须发。像米开朗琪罗画的摩西一样，托尔斯泰给人留下的难忘形象，来源于他那犹如卷起的滔滔白浪的大胡子。

（1）给加点字注音，根据拼音写出相应的汉字。（3分）

脸庞（\_\_\_\_\_\_\_\_） 胡髭（\_\_\_\_\_\_\_\_） yǒu（\_\_\_\_\_\_\_\_）黑

（2）本段刻画人物的主要方法是\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_。（1分）

2．下列句子没有语病的一项是（ ）（2分）

A．同学们写作文，要细心观察各种事物、各种现象，要有真情实感，切记不要胡编乱造。

B．从古希腊开始，英雄都是神衹和将军，而罗曼·罗兰却认为英雄的伟大不在于他的体魄，而在于他的心灵和品格。

C．异种鱼换核能否得到新的杂种鱼呢？我国科学家首先解决并提出了这个问题。

D．南极洲恐龙化石的发现，为支持地壳在进行缓慢但又不可抗拒的运动提供了证据。

3．下列句中加点成语运用不恰当的一项是(　　)（2分）

A．这幅文人画的山水图景与书法印章相得益彰，因此巧妙绝伦。

B．校园广场的设计者自出心裁地以革命事件作为广场主题，这就比一般的广场更具历史文化意义。

C．喷泉旁边的那几棵柏树修剪得惟妙惟肖，连叶片的数量都基本相同。

D．“官道”,南北通衢,东西广连,商贾游民，络绎不绝，形成了独特的商旅文化。

4．下列句子顺序排列最恰当的一项是（ ）（2分）

①“智能高铁”列车具备工作状态自感知、运行故障自诊断、导向安全自决策等功能。

②“智能高铁”是近两年来突然兴起的一个概念，是未来中国高铁发展的主要方向之一。

③同时将实现全面电子客票、全程畅通出行、只能引导等综合运输服务。

④最终实现我国高铁的智能化。

⑤按照铁路专家的解释，“智能高铁”是利用大数据、北斗定位、5G通讯等先进技术，将一代信息技术与高铁技术集成融合。

A．⑤①③②④ B．⑤③②①④ C．②③④①⑤ D．②⑤①③④

5．下列文学常识表述有误的一项是（ ）（2分）

A．新闻是一种应用性文体，它具有真实性、及时性、简明性。

B．《藤野先生》是鲁迅先生的一篇散文诗，选自《野草》。

C．列夫.托尔斯泰是俄国伟大现实主义作家，他的作品有《战争与和平》《复活》 等。

D．白居易是唐代诗人，有“诗魔”之称，《钱塘湖春行》 是写早春的作品。

**第II卷（6-23题 58分）**

6．古诗文默写。（10分）

（1）故天将降大任于是人也，必先苦其心志，\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_，\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_，空乏其身，行拂乱其所为。（《〈孟子）二章》）

（2）庭下如积水空明， ， 。（《记承天寺夜游》）

(3) 王绩在《野望》中引用典故，表现诗人身处乱世，前途无望，孤独抑郁心情的句子是：\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_，\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_。

(4)《渡荆门送别》中以游动的视角写出了渡过荆门进入楚地的壮阔景象的句子是：\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_，\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_。

(5)白居易在《钱塘湖春行》中抓住早春特点从俯视角度描写花草的优美的诗句是：\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_，\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_。

7．名著阅读（5分）

（1）下面这段文字出自昆虫学家法布尔的《昆虫记》。这段文字细致入微地刻画了螳螂\_\_\_\_\_\_\_\_\_时的动作，生动地表现了螳螂\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_的特点。

有这样一只不知危险无所畏惧的灰颜色的蝗虫，朝着那只螳螂迎面跑了过来。……螳螂把它的翅膀极度张开，它的翅膀竖了起来，并且直立得好像帆船一样。翅膀竖在他的后背上，螳螂将身体的上端弯曲起来，样子很像一根弯曲着手柄的拐杖，并且不时地上下起落着。

（2）．美国记者\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_在《 》一书中写道：“在某种意义上来说，这次大规模的转移，是历史上最盛大的武装巡回宣传。”文中的“武装巡回宣传”是指\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_。

阅读诗歌，回答问题（4分）

雁门太守行

李贺

黑云压城城欲摧，甲光向日金鳞开。角声满天秋色里，塞上燕脂凝夜紫。

半卷红旗临易水，霜重鼓寒声不起。报君黄金台上意，提携玉龙为君死。

8．下面对本诗理解、分析不正确的一项是（ ）（2分）

A．“雁门太守行”是乐府曲名，“行”是古诗体裁，本诗借用它作诗题写当时战事。

B．全诗以色彩斑斓的词语，浓墨重彩地描绘战争场景，构成了奇特的意境，歌颂守边战士浴血奋战，视死如归的英雄气概。

C．“塞上燕脂凝夜紫”，是说塞上的泥土在晚霞映衬下凝成胭脂色，写出了边塞风光的秀美。

D．“半卷红旗临易水”使人联想起“风萧萧兮易水寒，壮士一去兮不复还”，暗示将士们无所畏惧，勇往直前。

9．“黑云压城城欲摧，甲光向日金鳞开”是怎么渲染战争场面的？请任选角度对其进行赏析。（2分）

阅读下面两篇文言文，完成下列小题（13分）

（一）北山愚公者，年且九十，面山而居。惩山北之塞，出入之迂也。聚室而谋曰：“吾与汝毕力平险，指通豫南，达于汉阴，可乎？”杂然相许。其妻献疑曰：“以君之力，曾不能损魁父之丘，如太行、王屋何？且焉置土石？”杂曰：“投诸渤海之尾，隐土之北。”遂率子孙荷担者三夫，叩石垦壤，箕畚运于渤海之尾。邻人京城氏之孀妻有遗男，始龀，跳往助之。寒暑易节，始一反焉。

河曲智叟笑而止之曰：“甚矣，汝之不惠。以残年余力，曾不能毁山之一毛，其如土石何？”北山愚公长息曰：“汝心之固，固不可彻，曾不若孀妻弱子。虽我之死，有子存焉；子又生孙，孙又生子；子又有子，子又有孙；子子孙孙无穷匮也，而山不加增，何苦而不平？”河曲智叟亡以应。

操蛇之神闻之，惧其不已也，告之于帝。帝感其诚，命夸娥氏二子负二山，一厝朔东，一厝雍南。自此，冀之南，汉之阴，无陇断焉。

（二）鲁公治①园，欲凿池，父曰：“无地置土。”公遂止。或曰：“土可垒山。”公善之，欲行。妻曰：“不畏小儿女颠踬②耶？”公复止。或曰：“筑径通之，设栏护之，又何忧焉？”公从之，又欲行。家人有止之者曰：“园成必添仆妇，下房不足，甚可虑也。”公犹夷③不能决，事又寝④。

（选自《新百喻经》）

（注）①治:修建。②颠踬:被东西绊倒。③犹夷:迟疑不决的样子。④寝:停止。

10．解释下列句子中加点字的意思（4分）

（1）．惩山北之塞 惩: （2）．杂然相许 许:

（3）．固不可彻 彻: （4）．—厝朔余 厝:

11．把语段（一）中画横线的句子翻译成现代汉语（4分）

（1）甚矣，汝之不惠！

（2）以残年余力，曾不能毁山之一毛，其如土石何？

12．语段（一）中孀妻之弱子“跳往助之”属于什么描写？有何作用？（3分）

13．请根据文意简要概括愚公和鲁公的性格特点。（2分）

（一）阅读下文，完成下列各题（13分）

调好你的“食物钟”

①中学上生物课的时候就听老师讲过“生物钟”。生物钟是人体的一套复杂的调节机制，以24小时为周期，掌管着生物的“觉醒”与“睡眠”节奏。但也许你还不知道，人体中除了管理睡觉的生物钟，还有个管理“吃东西”的食物钟。

②食物钟，顾名思义，主要负责调节我们的进食、消化和营养摄取的时间。通常情况下，食物钟与生物钟是一致的，日常的运作程序几乎与生物钟保持着同步。人的大脑、胃和肝等内脏器官中都有感受器，可以接受食物钟传递的信号，这种信号一般被称为“食物相关的生物节律器”。依赖食物钟的调节，我们才有了一日三餐的吃饭习惯。

③食物钟对人体健康有十分重要的作用。如果食物钟发生紊乱，健康就会受到影响。研究发现，食物钟紊乱会导致胰岛素紊乱，可能增加糖尿病和肥胖的风险，还与心血管疾病存在一定联系。但日常的一些生活习惯还是会扰乱食物钟，甚至造成食物钟紊乱。目前，常见的可能导致食物钟紊乱的饮食习惯有：不吃早餐、节食、暴饮暴食等。

④现在很多年轻人喜欢晚睡晚起，生活毫无规律，早上都不怎么吃早餐。大量研究发现，经常不吃早餐会干扰食物钟，也会给健康造成影响。台湾研究发现，每周吃早饭次数低于一次的人，肥胖的几率更高；哈佛大学研究发现，不吃早餐的人患糖尿病的风险也更高；在儿童心血管健康方面的研究发现，长期不吃早餐还会增加罹患心血管疾病的风险。

⑤节食，通常在爱美的女士中比较多。但节食其实不利于减肥，节食会造成饮食紊乱，食量反而不能得到很好的控制，更容易发胖。

⑥暴饮暴食，主要就是指平时吃东西没有节制，大量进食。研究发现，暴饮暴食会给食物钟调控基因增加负担，进而可能扰乱食物钟，也会给健康增加隐患。所以，就算是过节，我们还是最好保持平时的饮食习惯。

⑦总之，保持良好的饮食习惯有利于维持良好的食物钟，让“人体机器”更有效的运行，对健康更是有极大的益处。

14根据第（1）（2）段内容，下列对“食物钟”表述正确的一项是\_\_\_\_\_\_\_\_。（2分）

A. 掌管着生物的“觉醒”与“睡眠”节奏一套复杂的调节机制。

B．调节我们一日三餐吃饭习惯的器官。

C．人体内主要负责进食、消化和营养摄取的时间的调节机制。

D．人的大脑、胃、肝等内脏器官中可以接受信号的感受器。

15．第①段从“生物钟”写起有什么好处？（2分）

16．第④段画线句主要运用了哪种说明方法？有什么作用？（3分）

17．第②段中加点词“几乎”能否删去？请说明理由。（3分）

18．从文中看，调好“食物钟”需要坚持的“良好的饮食习惯”有哪些？（3分）

（二）阅读下文，完成下列各题（13分）

故乡的密码

①直到今天，我才知道，故乡是有密码的。

②故乡的密码，隐藏在方圆几十里的盐湖下。一年又一年，盐把根深深地扎在土壤深处，然后奋力地开出一朵朵硕大洁白的盐花。打捞上来的盐，堆积成山，像从苍穹飘落的云；苍凉的土地瞬间羽化成仙，散发着缕缕轻盈。

③靠山吃山，靠水吃水。沿湖而居的父辈，就靠着盐湖吃饭。很早以前，下盐湖的几乎是清一色的男壮劳力。一辆毛驴车，一只铁耙，一把铁锹，一包干粮，一身使不完的力气，便是下湖人的所有。

④慢慢地，下湖人群里，有了妇女的身影。她们跟着自己的男人，在盐湖里打捞生活。日复一日，脚下的雨靴被盐渍浸得发白。发白的，还有她们头顶的黑发和额角的皱纹。

⑤故乡的密码，隐藏在庄稼地里。春天扬花吐穗的麦子，夏风拂过玉米修长的叶子，秋日的夕阳把上等的胭脂涂抹在苹果、梨子、杏子上。一场薄雪过后，落尽叶子的杨柳、榆树，渐渐进入悠远的梦乡。

⑥这一片一片的庄稼地里，长过麦子，长过玉米，长过高梁，也长过辣椒，长过西瓜，长过胡萝卜和大白菜。锄禾日当午，汗滴禾下土。咸涩的汗水，漫长的熬煎，从来都不会一无所获。只有劳动，辛勤的劳动，才会唤醒每一株庄稼，成就每一株庄稼。

⑦故乡的密码，隐藏在枝繁叶茂的林间。麻雀、乌鸦、喜鹊，是乡村的常客。它们时而聚集，叽叽喳喳，像是开一场热闹非凡的辩论会；时而疏离，遗世独立，自成林间淡墨疏痕似的一笔点缀。

⑧花开花落，冬去春来。那些鸟儿，还在破晓的晨曦里醒来，还在渐近的黄昏里，驮着夕阳归去。它们的眼睛，没有沾染世俗的红尘，它们的羽翅，没有背负繁芜的世事。可是人呢？终究被这庸常人间的风雨浸蚀，被不可抗拒的沧桑洗礼，在光阴的河流里，慢慢随水而逝，不见踪迹。

⑨故乡的密码，隐藏在家里。栅栏边、庭院旁、吱吱呀呀的木门里，屋檐下、窗棂间、土炕上……一个个生命在这里呱呱落地，蹒跚而行，步履矫健地走出高高的门槛，走向曲曲折折的远方。一缕缕炊烟在这里袅袅而上，流散在天际。炊烟里，有柴米油盐酱醋茶，有慈爱的母亲、沉默的父亲，有一碗又一碗叫做烟火气息的羹与汤。

⑩从前，只是片面狭隘地以为，故乡就是迎接生命的那个地方。流光辗转，才慢慢懂得，故乡是有密码的，就像一个人的DNA，在肌理、在血液、在灵魂深处。

⑪吮吸着故乡的乳汁，品咂着故乡的味道，回放着故乡模糊的面影，远游的人，虽然印刻了故乡的密码，却与故乡遥隔了万水千山。念及此，不禁黯然神伤，不能自已。

（文/蔺丽燕 选自《思维与智慧》，有删改）

19．请你用简洁的语言概括第②至④段的内容。（16个字以内）（1分）

20．阅读下列语句，按句子后面括号内的要求作答。（4分）

①秋日的夕阳把上等的胭脂涂抹在苹果、梨子、杏子上。（请从修辞的角度加以分析）

②日复一日，脚下的雨靴被盐渍浸得发白。发白的，还有她们头顶的黑发和额角的皱纹。（两个加点词表达的意思是否完全相同，请简要分析）

21．文章以“故乡的密码”为标题有什么好处？请简要分析。（3分）

22．请从表达方式的角度赏析文章第⑦段。（3分）

23．选文最后一句话“念及此，不禁黯然神伤，不能自已。”请你结合前文，写出“我”“黯然神伤”的原因。（2分）

24、写作（50分）

汪国真说：“向上的路/总是坎坷又崎岖……有人悲哀/有人欣喜/当我们跨越了一座高山/就跨越了一个真实的自己。”

请以“跨越\_\_\_\_\_\_\_\_”为题，先将题目补充完整，然后写一篇不少于600字的文章，文体不限。

要求：(1)选取真实生活片段，写出真情实感；(2)不少于600字；(3)文中不能出现真实的人名、地名、校名。

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | ▲200字 |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | ▲400字 |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | ▲600字 |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |